वीर हनुमाना अति बलवाना ....

वीर हनुमाना अति बलवाना रामनाम रसियो रे।
प्रभु मन बसियो रे।
जो कोई आवे अर्ज लगावे सबकी सुनियो रे।
प्रभु मन बसियो रे।
बजरंगबाला फेरूं तेरी माला दीनदयाला संकट हरियो रे।
प्रभु मन बसियो रे।
न कोई संगी हाथ में तंगी जल्दी हरियो रे।
प्रभु मन बसियो रे।
अरजी हमारी मरजी तुम्हारी कृपा करियो रे।
प्रभु मन बसियो रे।

वृंदावन का कृष्ण कन्हैया ....

वृंदावन का कृष्ण कन्हैया, सबकी आंखों का तारा,
मन ही मन क्यों जले राधिका, मोहन तो है सबका प्यारा।।
यमुना तट पर नंद का लाला, जब–जब रास रचावे रे,
तन–मन डोले कान्हा, ऐसी बंशी मधुर बजाए रे।
सुध–बुध खोए गोपियाँ, जाने कैसा जादू डारा।
वृंदावन का .....
नंद–सलोना ऐसा जैसे, छाई हो घटा सावन की,
ऐरी मैं तो हुई दीवानी, मनमोहन मनभावन की।
तेरे कारण देख सांवरे, छोड़ दिया मैंने जग सारा।
वृंदावन का .....